



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 15, 1977/पौष 25, 1898

No. 14]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 15, 1977/PAUSA 25, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January 1977

G.S.R. 18(E).—Whereas certain draft rules, further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published, as required by Sub-Section (1) of Section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), with the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. G.S.R. 507(E), dated the 27th September, 1975 at pages 2051-2052 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 27th September, 1975, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of 45 days from the date on which the copies of the said Gazette in which the said notification was published were made available to the public,

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the said Act, the Central Government, after consultations with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1953, namely:—

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Second Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette except clause (c) of rule 2 which shall come into force after a period of ninety days from the date of such publication

2. In appendix 'B' to the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955,—

(a) in item A. 16.06, in clause (c), the words "and colours" shall be omitted;

(b) in item A. 18.06, in sub-clause (ii), the following shall be inserted at the end, namely:—

"Bajra and wheat grain shall not contain ergot affected grains more than 0.05 per cent by weight";

(c) after item A. 27.01 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

"A. 28—Groundnut Kernel (deshelled) for direct human consumption commonly known as Moongphali are obtained from the plant arachis hypogaea. The kernels shall be free from non-edible seeds such as mahva, castor, neem or argemone etc. It shall be free from colouring matter and preservatives. It shall be practically free from extraneous matter, such as stones, dirt, clay etc. The kernels shall conform to the following standards, namely:—

(a) Moisture not more than 7.0 per cent

(b) Demand kernel including slightly damaged kernel not more than 5.0 per cent by weight

(c) Aflatoxin content not more than 30 parts per billion."

[No 6-3/74-PH(F&N) Vol. II]

SHRAVAN KUMAR, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1977

सां० का० नि० 18 (अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए नियमों का प्रारूप खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षाानुसार, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 507 (अ) तारीख 27 सितम्बर, 1975 में भारत के राजपत्र, भाग, 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) तारीख 27 सितम्बर, 1975 के पृष्ठ 2052-54 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उन से प्रभावित होने की सम्भावना है उस तारीख से, जिसको उक्त राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, 45 दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे और नियमों के उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है :

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (दूसरा संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे और नियम 2 के खण्ड (ग) ऐसे प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन की अवधि के पश्चात् प्रवृत्त होगा।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के परिशिष्ट 'ख' में—

(क) मद क 16.06 में खण्ड (ग) में और रंगों 'शब्दों' का लोप किया जाएगा।

(ख) मद सं० 18.06 में उपखण्ड (II) में अन्त में निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात् —

'वाजरा और गेहूं के दानों में अग्रंट लगे हुए दाने बजन में 0.05 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे'।

(ग) मद क 27.01 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी अर्थात् —

"क28—मनुष्य के सीधे उपभोग के लिए मूंगफली की गिरी (छिलका उतरी) जिसे साधारणतया मूंगफली कहा जाता है। मूंगफली के पौधे (आरबिस हाइपोगल) से प्राप्त होती है। गिरी में न खाने योग्य बीज, जैसे कि माहुआ, रेडी, नीम या आर्जिमोन आदि नहीं होंगे। इसमें रंजक पदार्थ और परिरक्षक नहीं होंगे इसमें व्यावहारिक रूप से वाह्य पदार्थ जैसे कि पत्थर, धूल, मिट्टी आदि नहीं होंगी। गिरी निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होगी,

(क) सांद्रता 7.0 प्रतिशत से अनधिक

(ख) क्षतिग्रस्त गिरी जिसमें मामूली बजन में 5.0 प्रतिशत से अनधिक।
क्षतिग्रस्त गिरी भी सम्मिलित है

(ग) एफलेटाक्सिन तत्त्व प्रति बिलियन 30 अंशों से अनधिक।"

[सं० एफ 6-3/74-पी एच (एफ एण्ड एन) बाल्यूम II]

श्रवण कुमार, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

